अब्दुल बारी मेमोरियल कॉलेज, जमशेदपुर
इंटरमीडिएट, द्वितीय वर्ष (वाणिज्य एवं कला)
विषय - 'हिन्दी कोर' (गद्य भाग)
पाठ का नाम :- नमक
लेखक का नाम - 'रज़िया सज्जाद ज़हीर'

(वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर)

प्रश्न:- 'नमक' रचना के रचनाकार कौन है?
उत्तर - 'रज़िया सज्जाद ज़हीर'

प्रश्न:- 'रज़िया सज्जाद ज़हीर' का जन्म कब हुआ था?
उत्तर - 15 फरवरी 1917 ई० को

प्रश्न:- रज़िया सज्जाद ज़हीर का जन्म कहाँ हुआ था?
उत्तर - राजस्थान के अजमेर में

प्रश्न:- रज़िया सज्जाद ज़हीर मूलतः किस भाषा के लेखिका है?
उत्तर - उर्दू

प्रश्न:- रज़िया सज्जाद ज़हीर के उर्दू कहानी संग्रह के नाम लिखे?
उत्तर - जर्द गुलाब

प्रश्न:- रज़िया सज्जाद ज़हीर का देहान्त कब हुआ?
उत्तर - 18 दिसंबर 1979 ई०

(लघुउत्तरीय प्रश्नोत्तर)

प्रश्न 7 सफ़िया के भाई ने नमक की पुड़िया ले जाने से क्यों मना कर दिया ?

उत्तर- नमक की पुड़िया को लेकर सफ़िया के मन में यह द्वंद्व था कि वह नमक कस्टम अधिकारियों को दिखाकर ले जाए या चोरी से छिपाकर। सफ़िया के भाई ने नमक की पुड़िया ले जाने से मना कर दिया क्योंकि पाकिस्तान से भारत को नमक का निर्यात प्रतिबंधित था। यह गैर - कानूनी था। दूसरे कस्टम अधिकारी नमक की पुड़िया निकल आने पर बाकी समान की भी चिंदी - चिंदी बिखेर देंगे। इससे बदनामी भी होगी। तीसरे, भारत में पर्याप्त मात्रा में नमक है।

प्रश्न 7 नमक की पुड़िया ले जाने के संबंध में सफ़िया के मन में क्या द्वंद्व था ?

उत्तर- नमक की पुड़िया ले जाने के संबंध में सफ़िया के मन में यह द्वंद्व था कि वह नमक की पुड़िया को चोरी से छिपाकर ले जाए या कस्टम अधिकारियों को दिखाकर ले जाए। पहले वह इसे कीनुओं की टोकरी में सबसे नीचे रखकर कीनुओं से ढक लेती है फिर वह निर्णय करती है कि वह प्यार के इस तोहफ़े को चोरी से नहीं ले जाएगी। वह नमक की पुड़िया को कस्टम वालों को दिखाएगी।

प्रश्न ? लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा या मेरा वतन ढाका है जैसे उद्गार किस सामाजिक यथार्थ का संकेत करते हैं ?

उत्तर - ये कथन उस सामाजिक यथार्थ का संकेत करते हैं कि राजनीतिक तौर पर लोग भले ही विस्थापित हो जाते हो, परंतु भावनात्मक लगाव मातृभूमि से ही रहता है। राजनीतिक बँटवारे लोगों के दिलों को बाँट नहीं पाते। वे लोगों को अलग रहने पर मजबूर कर सकते हैं, परंतु उनका प्रेम अंतिम समय तक मातृभूमि से रहता ही है।

प्रश्न ? नमक ले जाने के बारे में सफ़िया के मन में उठे द्वंद्व के आधार पर उसकी चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - नमक ले जाते समय सफ़िया के मन में अनेक द्वंद्व उठे। इससे उसके चरित्र की निम्नलिखित विशेषताएँ उभरकर आती हैं। -

(1) भावुक - सफ़िया भावुक है। वह सिख बीबी की भावनाओं को मानती है तथा उसी के आधार पर लाहौर नमक भारत ले जाना चाहती है। यह गैर - कानूनी है, यह जानते हुए भी वह भावनाओं को बड़ा मानती है।

(ii) वायदे की पक्की — सफ़िया सैयद है। सैयद होने के नाते वह अपने वायदे को किसी भी कीमत पर पूरा करना चाहती है। वह नमक ले जाने के लिए हर हालत - सही तरीके पर विचार करती है।

(iii) व्यवहारिक — सफ़िया व्यावहारिक है। वह प्रेम के तोहफ़े को चोरी से नहीं ले जाना चाहती। वह दोनों देशों के कस्टम अधिकारियों के सामने अपनी बात रखती है तथा अपने तर्कों से उन्हें अपने पक्ष में करने में सफल हो जाती है। इस तरीके से वह नमक की पुड़िया लाने में सफल होती है।

प्रश्न 7 "नमक" कहानी में भारत व पाक की जनता के आरोपित भेदभाव के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है, कैसे?

उत्तर — "नमक" कहानी में भारत व पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है। उनमें प्रेम और स्नेह का स्वाद है। इस स्वाद में अपनापन है। लेखिका का अपने भाइयों, परिचितों से स्नेह, सिख बीवी का लाहौर से लगाव, कस्टम अधिकारियों का दिल्ली व ढाका से जुड़ाव - ये सब दोनों देशों की जनता के बीच स्नेह को दर्शाते हैं।